16-बच्चों का पूछताछ केंद्र

3RYIS2

सड़क के नुक्कड़ पर लकड़ी की एक छोटी-सी दुकान थी। उस पर पूछताछ केंद्र लिखा हुआ था। पूछताछ केंद्र में एक महिला बैठती थी। वह लोगों के उन सवालों के जवाब देती थी, जो उससे पूछे जाते थे। महिला प्रतिदिन दुकान पर बैठती थी, लेकिन एक दिन अचानक कहीं चली गयी और वह दुकान खाली हो गई।

कुछ दिन दुकान खाली ही रही। एक दिन एक चंचल लड़की चीची सड़क पर घूम रही थी। उसने खाली दुकान देखते ही पूछताछ केंद्र के ऊपर 'बच्चों का' शब्द लिख दिया और दुकान में जाकर बैठ गई। अब वह प्रतीक्षा करने लगी कि कोई आए और उससे सवाल पूछे।

सबसे पहले दो जुड़वाँ भाइयों ने बच्चों के पूछताछ केंद्र को देखा। वे उधर आए और चीची से पूछा -

"अगर कोई पिता जी की घड़ी से खेल रहा हो और वह गिरकर टूट जाए तो क्या करना चाहिए ?"

"पिता जी से पूछना चाहिए कि जब घड़ी नहीं थी तब लोग समय कैसे मालूम करते थे।"

चीची की बात सुनकर भाइयों ने एक दूसरे की तरफ देखा और वहाँ से चले गए। उसके बाद सुनहरे बालों वाला एक बच्चा वहाँ आया और पूछने लगा -

"खरगोश किस तरह चिल्लाते हैं ?"

चीची ने जवाब दिया - ”खरगोश बिल्कुल नहीं चिल्लाते। वे धीरे-धीरे बातचीत किया करते हैं।“

”क्यों ?“ छोटे बच्चे ने आश्चर्य से पूछा।

”क्योंकि उनको चिल्लाना पसंद नहीं“ चीची ने बिल्कुल शांत भाव से उत्तर दिया। कुछ ही देर में बच्चों के पूछताछ केंद्र के सामने बच्चों की लम्बी कतार लग गई।

एक लड़की ने पूछा - ”एक साधारण कुत्ते को चतुर चालाक बनाने के लिए क्या-क्या सिखाना जरूरी है ?“

”कुछ खास नहीं, कुत्ते को स्वयं ही कड़ा अभ्यास करके चतुर चालाक बनने दो“ चीची ने जवाब दिया।

बच्चे एक से एक सवाल कर रहे थे, लेकिन चीची जवाब देने में उनसे भी आगे थी।

”चाँद रात में रोशनी देता है और सूरज दिन मंे, ऐसा क्यों ?“ एक बच्चे ने पूछा।

”यह उन्होंने आपस में तय कर रखा है,“ चीची ने जवाब दिया।

”वाह-वाह!“ छात्र प्रसन्न हो गया।

चश्मा लगाये हुए एक बहुत गंभीर-से दिखने वाले लड़के ने पूछा -

”बड़ों को सब कुछ करने की स्वतंत्रता है, बच्चों को हर बात के लिए मना किया जाता है, ऐसा क्यों ?

”यह प्रश्न गलत है। बड़ों को भी सब कुछ करने की स्वतंत्रता नहीं है“ - चीची ने सख्ती से उत्तर दिया।

”अभी मुझे एक सवाल और पूछना है“ चश्मा लगाए हुए लड़के ने कहा।

‘‘अभी नहीं बाद में! एक बार में केवल एक ही सवाल। बाकी लोग भी हैं’’, चीची बोली।

”दीदी, जब रेलगाड़ी आती है तो सड़क का फाटक बंद क्यों कर दिया जाता है?“ बड़ी-बड़ी आँखों वाले गोलू ने बेहद जिज्ञासा से पूछा।

”जिससे रेलगाड़ी सड़क पर न आ जाए,“ चीची ने तत्परता से कहा।

तभी एक पहलवान-सा दिखने वाला लड़का आया।

”क्या तुम तरबूज को एक ही बार में दाँत से काट सकती हो ?“ उसने पूछा।

”हाँ मैं काट सकती हूँ,“ चीची ने कहा।

”शर्त लगा लो तुम नहीं काट सकतीं!“ ... लड़का बोला।

”शर्त लगाती हूँ।“

चीची पूछताछ केंद्र से बाहर निकली। पूछताछ केंद्र पर एक कागज लिखकर चिपका दिया- ”पूछताछ केंद्र शर्त लगाने के लिए बंद है।“

अभ्यास

शब्दार्थ-

- इस कहानी में जिन शब्दों के अर्थ नहीं पता है उन्हें छाँटकर अपनी कॉपी में लिखिए।
- अपने शिक्षक/शब्दकोश की मदद से उनका अर्थ पता कीजिए।

1. **बोध प्रश्न: उत्तर लिखिए** -

(क) पूछताछ केंद्र को बच्चों का पूछताछ केंद्र बनाने के लिए चीची ने क्या किया ?

(ख) खरगोश किस तरह चिल्लाते हैं ? इस प्रश्न का जवाब चीची ने क्या दिया ?

(ग) जिससे रेलगाड़ी सड़क पर न आ जाए, यह उत्तर चीची ने किस प्रश्न का दिया ?

(घ) चीची को पूछताछ केंद्र क्यों बंद करना पड़ा ?

2. **खोजबीन** -

(क) चीची से कुल कितने सवाल पूछे गए ?

(ख) कितने लोगों ने सवाल पूछा ?

(ग) क्या किसी ने दो सवाल भी पूछे ?

घ) तुम्हें कौन-सा सवाल सबसे अच्छा लगा ?

(ङ) कौन-सा जवाब सबसे अच्छा लगा ?

3. **सोच-विचार: बताइए -**

(क) आप बताइए कि रेलगाड़ी के आने पर सड़क का फाटक क्यों बंद कर दिया जाता है ?

(ख) चीची के सामने अगर आप होते तो क्या पूछते ? तीन सवाल लिखिए -

(ग) बातचीत -

नीचे बातचीत के कुछ अंश दिए गए हैं। लिखिए कि यह बातचीत किस-किस के बीच हो रही होगी -

- "क्यों भाई! टमाटर किस भाव दिए हैं ?" "तीस रुपये किलो" "पचीस रुपये किलो लगाओ" "नहीं भाई, इतने का तो मुझे भी नहीं पड़ा' ....
- "तुम्हें बुखार कब से आ रहा है ?" "कल रात से, बहुत कँपकँपी भी आ रही है।" "कोई बात नहीं दो दिन की दवा दे रहा हूँ। परसों आकर हालचाल बताना।" ....
- "कल स्कूल क्यों नहीं आए थे जितेंद्र ?" "कल मैं बुआ जी के घर गया था।" "अरे! पर अचानक कैसे ?" "मेरी फुफेरी बहिन का जन्मदिन था।" "वाह! तब तो खूब मजा आया होगा ?" ....

(घ) जब हम किसी से मिलते हैं तो कुछ प्रारंभिक बातचीत होती है

जैसे -

- अभिवादन - नमस्कार, प्रणाम ...
- कुछ सवाल - क्या हालचाल हैं ...
- कुछ जवाब - मैं अच्छा हूँ... घर से आ रहा हूँ।
- कुछ आसपास की बातें - आज तो बहुत तेज गर्मी है।

सोचिए और बताइए कि ये बातें और किस-किस तरह की हो सकती हैं।

(ङ) नीचे दिए गए उत्तरों में दो-दो बातें कही गई हैं। उदाहरण के अनुसार ऐसे सवाल बनाइए जो उन दोनों बातों के बारे में हों -

उत्तर सवाल

- यह मेरी बहिन है, कक्षा 3 में पढ़ती है - यह कौन है
- किस कक्षा में पढ़ती है ?
- नीलम अगले महीने रजिया के घर जाएगी -
- डेजी कल सुबह गोरखपुर से आई है -
- जग्गी के घर में काले रंग की गाय है -

4. **भाषा के रंग -**

(क) शब्द अंत्याक्षरी -

व्यवस्था- 5-5 या 10-10 बच्चों की आमने-सामने खड़ी दो टोली, टोली के नाम, स्कोरबोर्ड, निर्णायक।

तरीका - दोनों टीमों में से किसी एक बच्चे द्वारा कोई शब्द बोले जाने पर दूसरी टीम के द्वारा उस शब्द के अंतिम अक्षर से शुरू होने वाले शब्द बोलना।

नियम - शब्द बोलते समय रुक जाने अथवा गलत बोलने पर शून्य अंक।

- दोनों के लगातार सही बोलते रहने पर 1-1 अंक।

- बोले गए शब्द के अंत में 'ण', 'ड़', तथा 'ढ़' आने पर क्रमश 'न', 'ड' और 'ढ' अक्षर से बनने वाले शब्द बोलना।

(ख) 'बा' तथा 'बे' उर्दू के उपसर्ग (शब्दांश) हैं जो क्रमशः सहित और रहित (नहीं) का अर्थ देते हैं। ये शब्दांश शब्दों के पहले जुड़कर अर्थ बदल देते हैं उदाहरण के अनुसार इन्हें जोड़कर शब्द बनाइए -

'बा' 'बे'

बा + इज्जत = बाइज्जत बे +इज्जत = बेइज्जत

.... +कायदा = ...+कायदा = ...

......+ अदब = ... + अदब = ...

...... + ... = ... + घर = ...

.... + ... = ... + रहम = ...

5. अब करने की बारी -

(क) **साक्षात्कार** - रसोइया/सफाई कर्मी/पान विक्रेता/किसान/रिक्शा चालक/ राजमिस्त्री/ फेरीवाला आदि में से किसी एक को चुनें। इनकी अपनी खुशियाँ हैं, दुख- दर्द हैं, काम-धाम हैं, घर-परिवार हैं। इनके बारे में जानने के लिए इनसे साक्षात्कार (बातचीत) करना एक सहज तरीका है।

दो-दो की टोलियों में इनके पास जाकर (इनके खाली समय में) सवालों को एक-एक कर के पूछिए। दूसरा साथी नोट करता रहे।

पूछे गए सवाल व बताए गए जवाब को समूहवार कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

(ख) आपने रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन तथा अन्य जगहों पर 'पूछताछ केंद्र' देखा होगा। इसके अंदर बैठा व्यक्ति पूछने वाले को बस/रेल से संबंधित जानकारी देता हैं। जैसे - कहाँ से कहाँ को? कितने बजे? कहाँ से मिलेगी? आदि। आप भी अपनी कक्षा में 'बच्चों का पूछताछ केंद्र' बनाइए। उसमें चीची की जगह किसी बच्चे को बैठाकर इस तरह के सवाल-जवाब कीजिए।

6. **मेरे दो प्रश्न**: पाठ के आधार पर दो सवाल बनाइए -

7. इस पाठ से-

(क) मैंने सीखा - ....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा - ....

यह भी जानिए -

कुछ महत्त्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर-

100 - पुलिस हेल्पलाइन 101 - फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन

102/108 - एंबुलेंस हेल्पलाइन 103 - मेडिकल हेल्पलाइन

139 - रेलवे इन्क्वायरी 1096 - नेचुरल डिजास्टर हेल्पलाइन (प्राकृतिक आपदा)

1090/1091 - महिला हेल्पलाइन 1098 - बाल हेल्पलाइन

कितना सीखा-3

1. **उत्तर लिखिए** -

(क) बाल कृष्ण को अपनी माता यशोदा से क्या शिकायत है ?

(ख) फटे दूध से मक्खन नहीं निकलता। इस उदाहरण के माध्यम से रहीम जी क्या कहना चाहते हैं ?

(ग) 'हौसला' कहानी से क्या सीख मिलती है ?

(घ) ओणम त्योहार किसका प्रतीक है ?

(ङ) ओणम मनाने के पीछे कौन सी कथा जुड़ी है ?

2. निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप।

जाके हिरदै साँच है, ताके हिरदै आप।।

(ख) काचै दूध पियावति पचि-पचि, देति न माखन-रोटी।

सूरज चिरजीवौ दोउ भैया, हरि हलधर की जोटी।।

3. नीचे लिखे गए शब्दों में 'इत' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए -

प्रकाश, प्रभाव, प्रवाह, आलोक, विवाद

4. मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

- भगीरथ प्रयास स थोथा चना बाजे घना

- मन चंगा तो कठौती में गंगा स हाथ मलना
- ऊँट के मुँह में जीरा स आँखों का तारा होना

5. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

प्रेम .... प्रकाश ....

खट्टा.................... शिक्षा ....

संभव .... विश्वास ....

कुसंग .... विष ....

6. नीचे दो-दो शब्दों के जोड़े दिए गए हैं। यदि दोनों के अर्थ समान हों तो 'स' पर और विपरीत हों तो 'वि' पर घेरा लगाइए-

(क) कम - अधिक स वि (घ) शत्रु - मित्र स वि

(ख) आदर - सम्मान स वि (ङ) हर्ष - प्रसन्नता स वि

(ग) सुख - दुःख स वि (च) जन्मभूमि - मातृभूमि स वि

7. नीचे दिए गए शब्दों को एक साथ मिलाकर लिखिए -

जैसे - सुप्त+ अवस्था = सुप्तावस्था

किशोर + अवस्था = ...

वद्धृ + अवस्था = ...

बाल्य +अवस्था = ...

प्रौढ़ + अवस्था = ...

जरा + अवस्था = ...

8. कबीर और रहीम के दोहे सुनाइए।

9. पाठ संख्या 15 पर तीन सवाल बनाइए।

10. अपनी आज की दिनचर्या पर संक्षिप्त डायरी लिखिए -

....

अपने आप-3

सत्यवादी हरिश्चंद्रभारत वर्ष में ऐसे अनेक महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपने जीवन आदर्शों से संपूर्ण मानवता के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। ऐसे ही एक महान व्यक्तित्व थे राजा हरिश्चंद्र। वह अपनी प्रजा में सत्यवादिता, दान और परोपकार जैसे गुणों के लिए प्रसिद्ध थे। उनकी पत्नी तारामती तथा पुत्र रोहित था।

भारत वर्ष में ऐसे अनेक महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपने जीवन आदर्शों से संपूर्ण मानवता के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। ऐसे ही एक महान व्यक्तित्व थे राजा हरिश्चंद्र। वह अपनी प्रजा में सत्यवादिता, दान और परोपकार जैसे गुणों के लिए प्रसिद्ध थे। उनकी पत्नी तारामती तथा पुत्र रोहित था।

एक बार देवराज इंद्र की प्रेरणा से महर्षि विश्वामित्र ने राजा हरिश्चंद्र की सत्यवादिता एवं दानशीलता की परीक्षा लेनी चाही। वह राजा हरिश्चंद्र के स्वप्न में प्रकट हुए और उनसे दान में संपूर्ण राज-पाट माँग लिया। राजा हरिश्चंद्र ने स्वप्न में ही उन्हें सब कुछ दान कर दिया।

अगले दिन प्रातःकाल मुनि विश्वामित्र दरबार में उपस्थित हुए और अपनी दक्षिणा के रूप में एक सहस्र स्वर्ण मुद्राएं माँगी। राजा हरिश्चंद्र अपना सब कुछ दान कर चुके थे। मुनि बिना दक्षिणा लिए चले जाएँ यह भी संभव न था। कोई उपाय न देखकर राजा हरिश्चंद्र ने दक्षिणा चुकाने के लिए स्वयं को परिवार सहित बेचने का निर्णय लिया। राजा हरिश्चंद्र को श्मशान में कर वसूल कर दाह संस्कार कराने वाले व्यक्ति ने खरीद लिया और उनकी पत्नी और पुत्र को घरेलू काम-काज के लिए एक ब्राह्मण ने।

एक दिन जंगल में रोहित को विषैले सर्प ने डस लिया। असहाय तारामती मृत पुत्र को गोद में उठाकर अंत्येष्टि के लिए श्मशान ले गईं। ऐसे संकट के समय में भी राजा हरिश्चंद्र ने सत्य और धैर्य को नहीं छोड़ा तथा तारामती से शवदाह हेतु कर माँगा।

तारामती के पास कर देने के लिए कुछ भी नहीं था। विवश होकर वह अपनी धोती का आधा भाग फाड़कर देने के लिए तत्पर हुई ही थी कि विश्वामित्र और देवता गण प्रकट हो

गए। राजा हरिश्चंद्र परीक्षा में उत्तीर्ण हो चुके थे। सबने राजा के धैर्य, दानशीलता और न्याय की प्रशंसा करते हुए रोहित को जीवित कर दिया तथा राज-पाट भी वापस कर दिया।

पठन निर्देश:- उक्त कथा को ध्यान पूर्वक पढ़कर प्रश्न बनाइए।